जादू की हकीकत.

मआरिफुल कुरान/१ हिन्दी. मुफ्ती शफी उस्मानी रह.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

"सेहर" लुगत मे हर ऐसे असर को केहते हे जिस्का सब्ब ज़ाहिर ना हो. (कामूस) चाहे वो सब्ब मानवी हो जैसे खास-खास कलिमो (शब्दो) का असर, या गैर-मेहसूस चिझो का हो जैसे जिन्नात व शैतानो का असर, या ख्याली कुव्वत को प्रभावित करने का असर, या मेहसूस चिझो का हो मगर वो मेहसूस चिझे छुपी हुई हो जैसे चुंबक की कशिश लोहे के लिये, जब्की चुंबक नज़रो से छुपा हुवा हो, या दवाओ का असर जब्की ये दवाये छुपी हुई हो, या सितारो व सय्यारो (चलने वाले सितारो) का असर.

इस्लीये जादू की बहुत सी किस्मे हे मगर आम बोल-चाल मे उमूमन जादू उन चिझो को कहा जाता हे जिन्मे जिन्नात व शयातीन के अमल का दखल हो, या प्रभावित करने की ख्याली कुव्वत का, या कुछ अलफाज़ व कलिमात का.क्युकी ये बात अक्ली तौर पर भी साबित हे और तजुर्बे व अनुभव से भी और नये व पुराने फल्सफी भी इस्को तस्लीम करते हे कि हुरूफ व कलिमात (शब्दो) मे भी कुछ खास तासीरात (असर डालने और करने की ताकते) होती हे, किसी खास हर्फ या कलिमे (शब्द) को किसी खास संख्या मे पढने या लिखने वगैरह से खास-खास तासीरो मे का मुशाहदा होता (यानी

देखा जाता) हे, या ऐसी तासीरे जो किसी इन्सानी बालो या नाखुनो वगैरह बदनी अंगो या उस्के इस्तेमाल किये जाने वाले कपडो के साथ कुछ दूसरी चिझे शामिल करके पैदा की जाती हे जिन्को आम बोल-चाल मे टोना-टोटका कहा जाता हे और जादू मे शामिल समझा जाता हे.

और कुरान व हदीस की इस्तिलाह (परिभाषा) मे "सेहर" (जादू) हर ऐसे अजीब काम को कहा जाता हे जिस्मे शैतानो को खुश करके उन्की मदद हासिल की गयी हो, फिर शैतानो को राजी करने की विभिन्न और अनेक सूरते हे, कभी ऐसे मंत्र अपनाये जाते हे जिन्मे कुफ व शिर्क के कलिमात (शब्द) हो और शैतानो की तारीफ की गयी हो, या सितारो वगैरह की इबादत (पूजा और उपासना) इखतियार की गयी हो, जिस्से शैतान खुश होता हे. कभी ऐसे आमाल (काम) इख्तियार किये जाते हे जो शैतान को पसन्द हे जैसे किसी को नाहक कत्ल करके उस्का खून इस्तेमाल करना, या नापाकी व गन्दगी की हालत मे रहना, तहारत (पाकी हासिल करने) से बचना वगैरह.

जिस तरह अल्लाह तआला के पाक फरिश्तो की मदद उन अकवाल (शब्दो) व अफआल (कामो) से हासिल की जाती हे जिन्को फरिश्ते पसन्द करते हे जैसे नेकी व परहेज़गारी, तहारत व पाकीज़गी, बदबू और गन्दगी से बचना, अल्लाह का ज़िक्र और अच्छे आमाल. इसी तरह शैतानो की इमदाद ऐसे अकवाल (अलफाज़) व अफआल (कामो) से हासिल होती हे जो शैतान को पसन्द हे.

इस्लीये सेहर (जादू) सिर्फ ऐसे ही लोगो का कामयाब होता हे जो गन्दे और नापाक रहे, पाकी और अल्लाह तआला के नाम से दूर रहे, खबीस (बुरे) कामो के आदी हो, औरते भी माहवारी के दिनो मे ये काम करती हे तो असरदार होता हे, बाकी करतब, टोटके या हाथ की चालाकी के काम या मिस्मरेज़म वगैरह इन्को जादू जैसी अजीब बाते समझते हुए यूं ही 'सेहर' (जादू) कह दिया जाता हे. (तफसीरे रूहुल-मआनी).